पांचों डिफेंस कॉरिडोर को केंद्र की एनओसी

लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, झांसी व चित्रकूट में होगा निर्माण, 2.70 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पांचों डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा इकाइयां तेजी से लगेंगी। लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के डिफेंस कॉरिडोर को पर्यावरण मंत्रालय ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। इन पांचों जिलों के डिफेंस कॉरिडोर के बड़े हिस्से को लंबे समय से इस मंजूरी का इंतजार था। इसी के साथ पहले चरण में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश तेजी से होगा। एनओसी मिलने के साथ ही न्यूनतम 2.70 लाख लोगों के लिए नए रोजगार के रास्ते भी खुल गए हैं।

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के पांचों नोड को लंबे समय से पर्यावरण मंत्रालय के अनापत्ति प्रमाणपत्र का इंतजार था। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथॉरिटी ने 21 जून को पांचों डिफेंस कॉरिडोर के लिए पर्यावरण एनओसी की जानकारी दी। 18 जनवरी को पर्यावरण मंत्रालय ने सैद्धांतिक सहमति दे दी थी और 21 जून को लिखित अनुमति प्राप्त हो गई।

पहले चरण में 20 हजार करोड़ रुपये का तेजी से होगा निवेश

अब इन पांचों नोड में विस्फोटक सामग्री, हथियार, टैंक, तोप, गोला-बारूद, मोटर इंजन, हेलीकॉप्टर और एयरक्राफ्ट की बॉडी, मिसाइल, रोबोटिक्स, फायरिंग रेंज, टेस्टिंग रेंज, मिसाइल उपकरण, ड्रोन और इलेक्ट्रानिक वारफेयर उपकरण का निर्माण होगा। इन पांचों डिफेंस नोड को जल सप्लाई संयंत्र, वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम, कॉमन इफ्यूलिएंट ट्रीटमेंट प्लांट, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम और शोर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी सुविधाओं से लैस किया जाएगा।

33 फीसदी जमीन पर लगाए जाएंगे पेड़

लखनऊ की सरोजनीनगर तहसील के भटगांव और हरौनी तहसील की 165 हेक्टेयर जमीन का 185 करोड़ से विकास किया जाएगा। कम से कम 33 फीसदी जमीन को पेड़ों से आच्छादित किया जाएगा। यहां न्यूनतम 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह कानपुर डिफेंस कॉरिडोर के तहत साढ़ तहसील की 385 हेक्टेयर जमीन को भी ग्रीन क्लीयरेंस मिल गया है। अब इस जमीन को यूपीडा 386 करोड़ से विकसित करेगा। यूपीडा यहां 23485 पेड़ लगाएगा। यहां इंजीनियरिंग और सेकंडरी धातुकर्म से जुड़ी रक्षा इकाइयों को प्राथमिकता दी जाएगी। ये नोड 37440 रोजगार देगा।

झांसी नोड में 1076 एकड़ जमीन का अधिग्रहण

- झांसी में गरौठा तहसील में आने वाले गांव इरच, गेंदाकबुला, झाबरा, कठारी, नईखेड़ा और लभेरा की 500 हेक्टेयर जमीन का करीब 475 करोड़ रुपये से विकास किया जाएगा। पूरे कॉरिडोर के चारों तरफ बाउंड्री को न्यूनतम 15 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट से आच्छादित किया जाएगा। झांसी नोड में 1076 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया रहा है। यूपीडा के मुताबिक झांसी डिफेंस कॉरिडोर 1,67,200 रोजगार देगा।
- चित्रकूट की कर्वी तहसील के अंतर्गत खुटैरा व बुक्तावुजुर्ग की 102 हेक्टेयर जमीन को भी हरी झंडी मिल गई है। इस पर 60 करोड़ खर्च होंगे और 18 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। अलीगढ़ के डिफेंस कारीडोर के तहत अंडाला खैर और कोइल कहसील के गांव हैबतपुर, करसुआ, कीरतपुर निमाना की 500 हेक्टेयर जमीन में इलेक्ट्रानिक युद्ध उपकरण, ड्रोन, टेलीस्कोप और छोटे हथियार बनेंगे। यहां भी इंजीनियरिंग और सेकंडरी धातुकर्म से जुड़ी रक्षा इकाइयों को जमीन दी जाएगी। इनकी उत्पादन क्षमता 30 हजार टन सालाना से ज्यादा होगी।